DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

दैनिक जागरण नई दिल्ली, 1 अगस्त, 2023

दैनिक आधार पर रिपोर्ट पेश करें अधिकारी : एलजी

G20 बैठक की तैयारियां

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली: एलजी वीके सक्सेना ने जी-20 की तैयारी के तहत अब तक हुए कार्य पर संतोष जताते हुए शेष कार्यों के अगस्त की शुरुआत तक पूरा होने की उम्मीद जताई है। एलजी ने विभिन्न निगरानी समितियों को निर्देश दिया है कि वे अपने अधिकार क्षेत्र की सभी साइटों का सुबह एवं देर शाम दौरा कर रोजाना निरीक्षण और निगरानी करें। कोआर्डिनेटरों को भी दैनिक आधार पर एक्शन टेकन रिपोर्ट (एटीआर) पोस्ट करने का निर्देश दिया गया।

एलजी ने सोमवार को जी-20 शिखर सम्मेलन से संबंधित प्रगति कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने जिला निगरानी समितियों के प्रमुखों की बैठक की अध्यक्षता भी की। इन समितियों का गठन 19 जुलाई के आदेश के तहत किया गया है। बैठक में मुख्य सचिव, एनडीएमसी चेयरमैन, डीडीए उपाध्यक्ष, पीडब्ल्यूडी के प्रधान सचिव, पर्यावरण एवं वन विभाग के प्रधान सचिव सहित अन्य हितधारक एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। बता दें कि एलजी पिछले कुछ दिन से लगातार सड़कों पर उतरकर स्वयं इस प्रगति कार्य की निगरानी कर रहे हैं। हालिया वर्षा और बाढ़ ने राजधानी में चल रहे कार्यों की प्रगति को धीमा कर दिया है। इतना ही नहीं, जो काम पहले पूरा हो चुके थे, उन्हें भी भारी नुकसान हुआ है। खासकर रिंग रोड और समाधि काम्प्लेक्स वाले इलाकों में भारी नुकसान हुआ है। इन्हीं परिस्थितियों के मद्देनजर नए सिरे से प्रगति कार्यों का जायजा लेने और सभी एजेंसियों में समन्वय स्थापित करने के लिए एलजी ने बैठक की अध्यक्षता की। जिला निगरानी समितियों में वरिष्ठ आइएएस अधिकारी कोआर्डिनेटर के रूप में शामिल होते हैं। इसके अलावा संबंधित डीएम, डीसीपी और डीडीए के चीफ इंजीनियर भी शामिल हैं।

सोमवार को राजनिवास में अधिकारियों की बैठक लेते एलजी वीके सक्सेना • सौ. राजनिवास

जी-20 शिखर सम्मेलन के लिए मुख्य कार्यक्रम स्थल

प्रगति मैदान के अलावा 61 महत्वपूर्ण सड़कों और 23 होटलों के आसपास सुंदरीकरण, सुधार व रखरखाव की निगरानी स्वयं एलजी कर रहे हैं। इनमें नई दिल्ली जिले में 36 सड़कें और 17 होटल हैं, जबकि दक्षिण-पश्चिम जिले में केवल दो सड़कें और एक होटल है। जिन सात जिलों में ऐसी परियोजनाएं हैं, उनमें नई दिल्ली, दक्षिण-पूर्व दिल्ली, दक्षिणी दिल्ली, शाहदरा, दक्षिण-पश्चिम दिल्ली और पूर्वी दिल्ली शामिल हैं। इसके अलावा, बाकी चार जिलों उत्तर, पश्चिम, उत्तर-पश्चिम और उत्तर पूर्व में भी इसी तरह की कुछ परियोजनाओं की पहचान की गई है।

डीडीए के पार्कों और खेल परिसरों में दिखेंगे जी-20 शिखर सम्मेलन के संदेश

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली: तमाम अन्य विभागों की तरह दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) भी जी-20 शिखर सम्मेलन की तैयारियों जुटा है। इसी के तहत डीडीए ने यह योजना तैयार की है कि उसके अधीन पार्कों और खेल परिसरों में जी-20 के संदेश नजर आएंगे। पार्कों में बड़े बोर्ड लगाए जाएंगे, जिन पर जी-20 सम्मेलन के संदर्भ में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संदेशों को प्रदर्शित किया जाएगा।

डीडीए ने इस योजना के तहत 22 पार्क चयनित किए हैं। एनएच-24 के संजय झील पार्क, सीबीडी शाहदरा, रोहिणी स्थित स्वर्ण जयंती पार्क में बड़े बोर्ड पर यह संदेश नजर आएंगे। डीडीए के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि डीडीए के पार्कों में यह बोर्ड स्थापित किए जाएंगे। सभी खेल परिसरों एवं गोल्फ मैदानों में भी यह बोर्ड लगाए जाएंगे। दो आधुनिक नर्सरी भी तैयार की गई है। इसमें चिराग दिल्ली में चिराग नर्सरी और शास्त्री नगर में दरबार खान नर्सरी शामिल हैं। डीडीए ने प्रमुख स्थानों के 47 पार्कों में हरियाली बढ़ाई है। इनके पेड़ रोशनी से सजाए गए हैं।

निगरानी जरूरी » संपादकीय

निगरानी जरूरी

जी-20 शिखर सम्मेलन की तैयारी को लेकर एलजी वीके सक्सेना द्वारा दैनिक आधार पर एटीआर मांगना स्वागतयोग्य कदम है। सोमवार को इन्हीं तैयारी का जायजा लेने के लिए समीक्षा बैठक करने के बाद उन्होंने शेष कार्यों के भी अगस्त की शुरुआत तक पूरा होने की उम्मीद जताई है। एलजी ने संबंधित विभागों के प्रमुखों को निर्बाध समन्वय से काम करने के निर्देश देते हुए इसी सप्ताह के आखिर में फिर से प्रगति की समीक्षा करने की बात भी कही है।

जी-20 राजधानी ही नहीं, देश की इज्जत से जुड़ा आयोजन है, इसलिए सभी को ईमानदारी से मेहनत और कोशिश करनी चाहिए

जी-20 शिखर सम्मेलन जैसे अंतरराष्ट्रीय आयोजन के लिए यह निगरानी और गंभीरता जरूरी है। वह भी तब, जब हाल ही में यमुना में आई बाढ़ ने बड़े पैमाने पर इस पर पानी फेर दिया। इसी कारण कई जगहों पर तो शून्य से दोबारा काम शुरू करना पड़ा है। चूंकि सम्मेलन का समय पूर्व निर्धारित है और सब कुछ सितंबर में ही होना है, तो दिन-रात काम करना समय की मांग है। एलजी स्वयं आधी-आधी रात तक न केवल मौका मुआयना कर रहे हैं, बल्कि जहां जरूरत हो, खुद खड़े होकर अधूरे कार्यों को पूरा करवा रहे हैं। इसमें दो मत नहीं कि जी-20 राजधानी ही नहीं, देश की इज्जत से जुड़ा आयोजन है। इसलिए ईमानदारी से मेहनत और कोशिश, दोनों करनी चाहिए। इस दिशा में डीडीए ने भी पार्कों, खेल परिसरों और गोल्फ के मैदानों में प्रधानमंत्री के संदेश प्रदर्शित करने की योजना बनाई है। निस्संदेह जी-20 के आयोजन को सफल बनाने में सभी विभागों का योगदान अनिवार्य है। इसलिए सभी को आपसी सामंजस्य के साथ ऐसा ही करना भी चाहिए।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPERS--- THE TIMES OF INDIA, NEW DELHI TUESDAY, AUGUST 1, 2023 ---------DATED----------

Revamp of roads, areas on, LG checks progress

TIMES NEWS NETWORK

New Delhi: With the G20 summit just 40 days away, LG **VK Saxena** on Monday took stock of the preparations at a meeting attended by all stakeholder departments.

Officials said 61 important roads, which would be taken by the delegates to travel between their hotels and the summit venue, and areas in the vicinity of 23 hotels, where they would be staying, were being closely monitored and spruced up by different departments concerned.

Officials said the LG had set July 31 as the deadline to complete the road repair and beautification work and formed teams to monitor the preparations and submit daily reports to him.

"The LG reviewed the progress of the revamp and found it satisfactory," said an official from the LG Secretariat.

The 61 roads and 23 hotels are located in seven different districts of the city with the maximum—36 roads and 17 hotels—being in New Delhi.

According to officials, the recent rains and flooding had slowed down the progress of work and had also caused substantial damage to revamp, especially in Central Delhi.

"This prompted the LG to take stock of the situation afresh and ensure targeted efforts by ensuring inter and intra-agency coordination," said an official.

Several areas of the city were flooded as the water levels of the Yamuna breached all records following heavy rainfall in the northern states and the release of water from Hathnikund barrage. The flooding had led to the closure of several key stretches, including Outer Ring Road and Vikas Marg.

The seven districts where the maximum of G20 related projects are located include New Delhi, South East, South, Central, Shahdara, South West and East.

Officials said Saxena reviewed the progress of different work related to civic infrastructure. The meeting was attended by the heads of the district monitoring committees, who were appointed earlier this month, apart from the chief secretary, chairman of New Delhi Municipal Council, vice-chairman of Delhi Development Authority, principal secretary of Public Works Department, principal secretary of the ministry of environment and forest, and senior officials of other stakeholder agencies.

"The district monitoring committees were meant to do a gap analysis of shortcomings in their jurisdiction and were empowered to get these gaps addressed with the help of the department or the agency concerned. During the meeting, it was found that the progress so far has been satisfactory and the remaining work, if any, is expected to be completed within the first week of August," said an official.

Officials said the LG also issued instructions for the different monitoring committees to undertake daily inspection and visits of the sites under their jurisdiction in early morning and late evening hours. The coordinators were also instructed to post action taken reports on a daily basis.

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली । मंगलवार, 1 अगस्त 2023

APERS

DDA की कोशिश, हौज़ खास के डियर पार्क में रह जाएं कुछ हिरण

■ विशेष संवाददाता, नई दिल्ली

हौज खास में बने डियर पार्क में 10 से 12 हिरण रखे जाने की संभावनाएं डीडीए तलाश रहा है। डीडीए के अनुसार यह प्रस्ताव सेंट्रल जू अथॉरिटी (सीजेडए) को भेजा जाएगा। डीडीए पार्क में 10 से 12 डियर रखने की मंजूरी मांगेगा।

सीजेडए ने कुछ समय पहले साउथ दिल्ली के डियर पार्क से मिनी जू का दर्जा वापस ले लिया है। इसके बाद यहां से हिरणों को दूसरी जगह भेजना जरूरी हो गया है। डीडीए ने यह तय किया है कि वह सीजेडए के सामने प्रपोजल रखेगा कि लोगों की भावनाओं को देखते हुए यहां

ताकि बना रहे नाम

- CZA ने हौज़ खास में बने डियर पार्क से मिनी जू का वापस ले लिया था दर्जा
- कुछ समय से लोग हिरणों का हटाने का स्लोगन लेकर विरोध कर रहे हैं

10 से 12 हिरणों को रखने की इजाजत मिले। अतिरिक्त हिरणों को सीजेडए के आदेशों के अनुसार दूसरी जगहों पर शिफ्ट किया जा सकता है। यह पार्क 1960 में छह हिरणों से शुरू हुआ था। लोग डियर पार्क से मिनी जू का दर्जा छीने जाने का विरोध कर रहे हैं। बीते कुछ समय से लोग स्लोगन लेकर इसका विरोध कर रहे हैं। फ्यूचर इंडिया, दिल्ली ट्री एसओएस आदि के नेतृत्व में यह विरोध हो रहा है।

नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली । मंगलवार, 1 अगस्त 2023

शालीमार बाग : पार्क में गड्ढे खोदकर छोड़े

■ एनबीटी न्यूज, शालीमार बाग

रामस्वरूप ठाकुर दास पार्क में पिछले करीब दो हफ्ते से जिम की मशीनों की मेंटिनेंस के नाम पर गड्ढे खोदकर छोड़ दिए गए हैं। लोगों का कहना है कि जिम की मशीन के प्लैटफॉर्म पर पुरानी मशीनों को खोल कर ले जाया गया, इसके बदले यहां पर नई मशीनें लगाने की बात डीडीए की तरफ से कही गई थी। इसके कारण जिम प्लैटफॉर्म पर जगह-जगह गड्ढे कर दिए हैं। लेकिन मशीनें नहीं लगाई गई हैं।

हटाई गईं थी ओपन जिम की मशीनें

सत्यपाल शर्मा बताते हैं कि पार्क में किए गए गड्ढों की वजह से हर कोने में मिट्टी का ढेर भी जमा हो गया है। ऐसे में यहां आने वाले लोगों की समस्याएं कम होने का नाम नहीं ले रही है।

G20 समिट की तैयारियों पर भी पड़ी बाढ़ की मार

■ **विस, नई दिल्ली:** यमुना की बाढ़ ने जी-20 शिखर सम्मेलन के लिए दिल्ली में किए जा रहे सौंदर्यीकरण के काम को भी नुकसान पहुंचाया है। सोमवार को राजनिवास पर हुई एक समीक्षा बैठक में अधिकारियों ने एलजी वी. के. सक्सेना को यह जानकारी दी। एलजी ने इस पर चिंता व्यक्त करते हुए अधिकारियों को नए सिरे से जुटकर खराब हुए कामों को फिर से एक तय समयसीमा के अंदर ठीक करने के लिए कहा है। समय की कमी को देखते हुए इन कामों से जुड़े सभी विभागों और एजेंसियों को और बेहतर तालमेल के साथ काम करने का निर्देश दिया है, ताकि शिखर सम्मेलन से पहले सबकुछ ठीक किया जा सके। सम्मेलन से जुड़ी तैयारियों के लिए 19 जुलाई को एलजी ने जिला स्तर पर निगरानी समितियां बनाई थीं। सोमवार को इन्हीं समितियों के प्रमुखों के साथ एलजी ने बैठक की। इसमें चीफ सेक्रेटरी के अलावा एनडीएमसी चेयरमैन, डीडीए के वाइस चेयरमैन, पीडब्ल्यूडी और पर्यावरण विभाग के प्रधान सचिव और अन्य वरिष्ठ अफसर मौजूद रहे।

हिन्दुस्तान

तालमेल बनाकर जल्द काम पूरा करें : एलजी

नई दिल्ली, प्रमुख संवाददाता। जी-20 सम्मेलन को लेकर दिल्ली में विभिन्न एजेंसियों के कार्यों की सोमवार को उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने समीक्षा की। उन्होंने माना कि बारिश एवं बाढ़ के कारण तैयारियां प्रभावित हुई हैं।

खासतौर से मध्य जिले का रिंग रोड वाला इलाका और समाधि कॉम्प्लेक्स प्रभावित हुए हैं, लेकिन एजेंसियां अधिकारियों के साथ तालमेल बनाकर जल्द काम पूरा करें। राजनिवास सूत्रों ने बताया कि जी-20 सम्मेलन को बेहद कम समय रह गया है, इसलिए उपराज्यपाल इसके कार्यों की निगरानी कर रहे हैं। विभिन्न एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक में जिला निगरानी समिति के प्रमुख अधिकारी, मुख्य सचिव, एनडीएमसी अध्यक्ष, डीडीए उपाध्यक्ष, प्रमुख सचिव (पीडब्ल्यूडी) आदि वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। उपराज्यपाल ने बीते दिनों हर जिले में एक निगरानी समिति का

■ जी-20 सम्मेलन को लेकर तैयारियों की समीक्षा

गठन किया था, जिसकी अध्यक्षता आईएएस अधिकारी कर रहे हैं। कमियों का विश्लेषण करने के लिए समितियां बनाई गई हैं। ताकि उन कमियों को संबंधित विभाग जैसे पीडब्ल्यूडी, दिल्ली मेट्रो, बाढ़ एवं सिंचाई नियंत्रण विभाग, दिल्ली जल बोर्ड, डायल और डिस्कॉम की मदद दूर किया जा सके।

निगरानी समितियां साइटों का हर सुबह-शाम निरीक्षण करें : बैठक में अधिकारियों ने बताया कि अब तक की प्रगति संतोषजनक रही है। बचे काम भी अगस्त की शुरुआत तक पूरा होने की उम्मीद है। इस दौरान उपराज्यपाल ने विभिन्न निगरानी समितियों को निर्देश दिया कि वह अपने -अपने अधिकार क्षेत्र के तहत साइटों का निरीक्षण हर दिन सुबह और देर शाम अवश्य करें। इसकी रिपोर्ट भी जमा करें।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPER millenniumpost
NEW DELHI | TUESDAY, 1 AUGUST, 2023 ED----------

RECENT RAINS AND FLOODING HAD SLOWED DOWN THE PROGRESS OF WORK

'Roads, hotels linked to G20 meet being revamped under L-G's monitoring'

OUR CORRESPONDENT

NEW DELHI: Sixty one important roads and twenty-three hotels associated with the G20 summit are being monitored by Delhi L-G VK Saxena for their upkeep and revamp, Raj Niwas said on Monday.

The recent rains and flooding had slowed down the progress of work and also caused substantial damage to revamp, especially in the central district along Ring Road/Yamuna and the Samadhi Complex, officials said. This prompted the L-G to take stock of the situation afresh and ensure targeted efforts by ensuring inter and intra-agency coordination.

Several areas of the city were flooded as the water levels of the Yamuna rose following heavy rainfall and the release of water from Hathnikund barrage.

The flooding had led to the closure of several key stretches including Outer Ring Road and Vikas Marg.

"Sixty one important roads along with the venue outside ITPO and 23 hotels, associated with the forthcoming Summit, spread over seven districts in the capital, are being monitored by the L-G for their upkeep, sprucing up and revamp. Of these, 36 roads and 17 hotels are located in the New Delhi District with South-West District having just, two roads and one hotel. The seven districts where such projects are located include New Delhi, South East, South, Central, Shahdara, South West and East," said an official. The remaining four districts — North, West, North West and North East have also identified a few projects of similar nature.

Saxena reviewed the progress of different work related to civic infrastructure and the preparations for the forthcoming G20 summit in the capital. Saxena chaired the meeting of Heads of the District Monitoring Committees, who were appointed earlier this month. The meeting was attended by, the chief secretary, chairman of New Delhi Municipal Council, vice chairman of Delhi Development Authority (DDA), principal secretary of Public Works Department, principal secretary of Ministry of Environment and Forest and senior officials of other stakeholder agencies.

The District Monitoring Committees comprise a senior IAS officer, designated as coordinator and respective DMs, DCPs, Deputy Commissioner of the municipal corporation, Secretary of NDMC and Chief Engineer of DDA. These committees were meant to do a gap analysis of shortcomings in their jurisdiction and were empowered to get these gaps addressed with the help of concerned department/agency like PWD, Delhi Metro, F&F, I&FC, DJB, DIAL and DISCOMS, etc, officials said.

During the meeting, it was found that the progress so far has been satisfactory and the remaining work, if any, is expected to be completed by the beginning of August, they said. Saxena issued instructions for the different Monitoring Committees to undertake daily inspection and monitoring visits of the sites under their jurisdiction in early morning and late evening hours. The coordinators were also instructed to post ATRs (action taken report) on a daily basis. The L-G also issued directions to the head of departments to work in seamless coordination and will again review the progress later this week, officials said.

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPERS पंजाब केसरी DELHI 1 अगस्त, 2023 ▶ मंगलवार

बारिश-बाढ़ से जी-20 शिखर सम्मेलन की तैयारियों को हुआ बड़ा नुकसान

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) : बारिश और बाढ़ से जी-20 शिखर सम्मेलन की तैयारियों को झटका लगा है। जो काम पहले पूरे हो चुके थे, उन कामों को भी भारी नुकसान हुआ है। खासकर रिंग रोड और राजघाट वाले इलाकों में खासा नुकसान हुआ है। इसके मद्देनजर उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने सोमवार को सितंबर में होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन की तैयारियों के लिए गठित जिला निगरानी समितियों के प्रमुखों के साथ बैठक की अध्यक्षता की। इन समितियों का गठन 19 जुलाई के आदेश के तहत किया गया है।

राजनिवास के एक अधिकारी ने बताया कि उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना पिछले कुछ दिनों से लगातार सडक्रों पर उतर कर खुद तैयारियों की निगरानी कर रहे हैं। पिछले दिनों बारिश और बाढ़ ने राजधानी में चल रहे कार्यों की प्रगति को धीमा कर दिया है। जिला निगरानी समितियों में एक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी कॉर्डिनेटर के रूप में शामिल होते हैं। इसके अलावा संबंधित डीएम, डीसीपी, एमसीडी के डीसी एनडीएमसी के सचिव और डीडीए के चीफ इंजीनियर शामिल हैं। इन समितियों को अपने-अपने क्षेत्रों में कमियों का विश्लेषण कर उन्हें पूरा करने के लिए बनाया गया था और इन्हें संबंधित विभाग, एजेंसी जैसे पीडब्ल्यूडी, मेट्रो, सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण, डीजेबी, डॉयली और डिस्कॉम आदि की मदद से इन कमियों को दूर करने का अधिकार दिया गया था।

जी-20 शिखर सम्मेलन के लिए मुख्य कार्यक्रम स्थल आईटीपीओ के अलावा 61 महत्वपूर्ण सड़कों और 23 होटलों के आसपास सौंदर्यीकरण, सुधार और रखरखाव की निगरानी खुद एलजी कर रहे हैं। इन महत्वपूर्ण स्थलों में 36 सड़कें और 17 होटल नई दिल्ली जिले में स्थित हैं जबकि दक्षिण-पश्चिम जिले में केवल 2 सड़कों और 1 होटल है। जिन 7 जिलों में ऐसी परियोजनाएं स्थित हैं उनमें नई दिल्ली, दक्षिण पूर्व, दक्षिण, शाहदरा, दक्षिण पश्चिम और पूर्व शामिल हैं। इसके अलावा, बाकी 4 जिलों- उत्तर, पश्चिम, उत्तर-पश्चिम और उत्तर-पूर्व ने भी इसी तरह की कुछ परियोजनाओं की पहचान की है।

खास बातें...

- एलजी कर रहे मुख्य कार्यक्रम स्थल के अलावा 61 महत्वपूर्ण सड़कों और 23 होटलों के आसपास सौंदर्यीकरण, सुधार और रखरखाव की खुद निगरानी

बैठक में इस बात को जिक्र किया गया कि अब तक जो काम हुआ है, वह संतोषजनक रहा है और यदि कोई काम पूरा नहीं हो पाया है तो तो अगस्त की पहले सप्ताह तक इसके पूरा होने की उम्मीद है। एलजी ने विभिन्न निगरानी समितियों को निर्देश दिया है कि वे अपने अधिकार क्षेत्र के तहत सभी साइटों का सुबह और देर शाम दौरा कर रोजाना के आधार पर निरीक्षण और निगरानी करें। उपराज्यपाल ने संबंधित विभागों के प्रमुखों को निर्बाध समन्वय से काम करने के निर्देश दिए और कहा कि इस सप्ताह के अंत में फिर से प्रगति की समीक्षा करेंगे।

दैनिक भास्कर नई दिल्ली, मंगलवार 01 अगस्त, 2023 07

जी-20 शिखर सम्मेलन की तैयारियों को लेकर एलजी ने की समीक्षा बैठक

एलजी ने पूछा- जी20 की तैयारियों से जुड़े जो काम चल रहे थे, बारिश व बाढ़ से कितना प्रभावित हुए

भास्कर न्यूज | नई दिल्ली

एलजी वीके सक्सेना ने दिल्ली में आयोजित होने वाले आगामी जी-20 शिखर सम्मेलन को लेकर इसकी तैयारियों के लिए गठित जिला निगरानी समितियों के प्रमुखों के साथ सोमवार को समीक्षा बैठक की। बैठक में मुख्य सचिव नरेश कुमार, एनडीएमसी के चेयरमैन अमित यादव, डीडीए के वाइस चेयरमैन सुभाष पांडा, पीडब्ल्यूडी पर्यावरण एवं वन विभाग के प्रधान सचिव सहित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। बता दें कि दिल्ली में हाल ही में हुई बारिश और बाढ़ ने राजधानी में चल रहे कार्यों की प्रगति को धीमा कर दिया है। इतना ही नहीं, जो काम पहले पूरे हो चुके थे, उन कामों को भी भारी नुकसान हुआ है। खासकर, रिंग रोड और समाधि कॉम्पलेक्स वाले इलाकों में खासा नुकसान हुआ है। इन परिस्थितियों के मद्देनजर नए सिरे से प्रगति कार्यों का जायजा लेने और सभी एजेंसियों में समन्वय स्थापित करने के लिए एलजी ने बैठक की अध्यक्षता की।

स्वतंत्रता दिवस व जी20 को लेकर जागरूकता अभियान

राजधानी में आगामी स्वतंत्रता दिवस और जी20 शिखर सम्मेलन की तैयारियों को लेकर दिल्ली पुलिस ने लोगों को संभावित खतरों के बारे में जागरूक करने के लिए आतंकवाद विरोधी अभियान शुरू किया है। इसके तहत पुलिस सुरक्षा मामलों को लेकर जागरुकता फैला रही है, साथ ही लोगों को पुलिस के लिए आंख और कान बनने की अपील कर रही है।